

B.A. 1st Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-I

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

1. प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया प्रपत्रयं स्वीकृत्य दशप्रश्नानाम् उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाप्त्रित्य समाधीयताम्।
2×10=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃতে দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই করতে হবে।

বিভাগ: 'ক'

বিভাগ-ক'

- (a) बाल्मीकि-मुखात् निर्गतः आदिश्लोकः लिख्यताम्।
बाल्मीकिर मुखं थेके निर्गत आदि श्लोकं लेखो।
- (b) संस्कृतप्रतिशब्दः लिख्यताम्- रामानुजः, द्विजिह्वः
संस्कृत प्रतिशब्द लेखो— रामानुजः, द्विजिह्वः
- (c) परशुरामः कथं मातरं हतवान्? तस्य मातुः नाम किम्?
परशुराम केन तौरं माके हत्या करेखिलेन? के तौरं मा?
- (d) प्रकृति-प्रत्ययः निरूप्यताम्-
प्रकृति प्रत्यय लेखो—
(i) आचक्षे
(ii) उपस्थितः
- (e) 'किन्तु लोकापवादो बलवान् मतो मे'— 'मे' इति पदेन कः बोध्यते? अस्य श्लोकस्य अन्तर्निहितार्थः स्पष्टीक्रियताम्।
'किन्तु लोकापवादो बलवान् मतो मे'— 'मे' पदेर द्वारा काके बोवानो ह्येखे? एइ श्लोकेर अन्तर्निहित अर्थ लेखो।

বিভাগ: 'খ'

বিভাগ-খ'

- (f) किरातार्जुनीयम् इति काव्यस्य नायकः कः? अस्य काव्यस्य मुख्य-रसः लिख्यताम्।
किरातार्जुनीयम् काव्येर नायक के? काव्येर मुख्यरस लेखो।

- (g) सन्धिविच्छेदः क्रियताम्—
सन्धिविच्छेद करो—
(i) वसूपमानस्य
(ii) कुरुवश्चकासति
- (h) 'निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्'— अस्य श्लोकस्य अन्तर्निहितार्थं निरूप्यताम्।
'निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्'— এই শ্লোকটির অন্তর্নিहितार्थ নিরূপণ করো।
- (i) 'किरातार्जुनीयम्' इति काव्यं केन विरचितम्? काव्येऽस्मिन् कति सर्गाः विद्यन्ते?
किरातार्जुनीयम् काव्याটি কে लिখেছেন? এর সর্গ সংখ্যা কত?
- (j) 'न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्'— अत्र 'त्रिगणः' इति शब्दस्य अर्थः स्पष्टीक्रियताम्।
'न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्'— 'त्रिगणः' शब्দের অর্থ লেখো।

विभागः 'ग'

विभाग—'ग'

- (k) भट्टिकाव्यस्य टीकाद्वयं टीकाकारनामसहितं लिख्यताम्।
ভট্টিকাব্যের টীকাকারের নাম সহ দুটি টীকার নাম লেখো।
- (l) रामायणमवलम्ब्य विरचितस्य एकस्य महाकाव्यस्य नाम लिख्यताम्। केन रचितम् इदम् महाकाव्यम्?
রামায়ণ অবলম্বন করে রচিত একটি মহাকাব্যের নাম লেখো। মহাকাব্যটির রচয়িতা কে?
- (m) संक्षिप्ता टीका लेख्या—माघः
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো—মাঘ:
- (n) अश्वघोषविरचितानां महाकाव्यानां संख्या नाम च लिखत।
অশ্বঘোষ রচিত মহাকাব্যের সংখ্যা ও নাম লেখো।
- (o) 'बृहतत्रयी' इति शब्देन किं बोध्यते?
বৃহৎত্রয়ী বলতে কী বোঝো?

2. निम्नलिखितप्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नं चतुष्टयं लिख्यताम्। तन्मध्ये प्रश्नद्वयं अवश्यमेव संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে চারটি প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে দুটি অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) बङ्गभाषया अनुवादः कार्यः

বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো :

निर्बन्धपृष्ठः स जगाद सर्वं

स्तुवन्ति पौराश्चरितं त्वदीयम्।

अन्यत्र रक्षोमवनोषितायाः

परिग्रहान्मानवदेव देव्याः।

अथवा,

सा लुप्तसंज्ञा न विवेद
 दुःखं प्रत्यागतासुः समतप्यतान्तः
 तस्याः सुमित्रात्मजयद्रलब्धो
 मोहादभ्रत् कष्टतरः प्रबोधः

(b) बङ्गभाषया अनुवादः कार्यः

বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো :
 श्रियः कुरूणामधिपस्य पालनीं
 प्रजासु वृत्तिं यमयुक्त वेदितुम्।
 स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ
 युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः॥

अथवा,

नदाशु कर्तुं त्वयि जिह्वमुद्यते
 विधीयतां तत्र विधेयमुत्तरम्।
 परप्रणीतानि वचांसि चिन्वतां
 प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशं गिरः॥

(c) सप्रसङ्गं सरलसंस्कृतभाषया व्याख्यायताम्।

সপ্রসঙ্গ সরলসংস্কৃতে ব্যাখ্যা লেখো :
 साहं तपः सूर्यनिविष्टदृष्टिरूर्ध्वं प्रसूते
 -श्चरितुं यतिष्ये।
 भुयो यथा मे जननान्तरेऽपि त्वमेव
 भर्ता न च विप्रयोगः॥

अथवा,

कृतारिषड्वर्गजयेन मानवीमगम्यरूपां
 पदवीं प्रपित्सुना
 विभज्य नक्तदिवसस्ततन्दिणा वितन्यते
 तेन नयेन पौरुषम्।

(d) संस्कृतभाषया भावसम्प्रसारणं कुरु।

সংস্কৃত ভাষায় ভাব-সম্প্রসারণ করো :
 न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।

अथवा,

यशोधनानां हि यशो गरीयः।

- (e) 'नैषधीयचरितम्' इति महाकाव्यस्य प्रणेता कः? कति सर्गाः विद्यन्ते अस्मिन् काव्ये? अस्य काव्यस्य उत्सः कः?
'नैषधीयचरितम्' महाकाव्यটির রচয়তা কে? এই কাব্যে কতগুলি সর্গ আছে? কাব্যটির উৎস কি?
- (f) 'सौन्दरनन्दम्' इति काव्यं केन विरचितम्? अस्य काव्यस्य वैशिष्ट्यानि समासतः लिख्यन्ताम्।
'सौन्दरनन्दम्' काव्यটি কে রচনা করেছেন? এই কাব্যের বৈশিষ্ট্যগুলি সংক্ষেপে আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नद्वयं लिख्यताम्:

10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- (a) भ्रातृणां समीपे सीता-परित्यागविषये रामचन्द्रेण प्रदत्ताः युक्तयः विश्लिष्यन्ताम्। युक्तिषु रामचन्दस्य यत् चरित्रं प्रकाशितं तत् समासतः लिख्यताम्।
রামচন্দ্র সীতা পরিত্যাগবিষয়ে ভ্রাতাদের কাছে যে যুক্তিগুলি প্রদর্শন করেছেন সেগুলি বিশ্লেষণ করো। এই যুক্তিগুলির মধ্যদিয়ে রামচন্দ্রের যে চরিত্র প্রকাশিত হয়েছে তা সংক্ষেপে লেখ।
- (b) को वनेचरः? वनेचरस्य वक्तव्यं विशदीक्रियताम्।
বনেচর কে? বনেচরের বক্তব্য আলোচনা করো।
- (c) 'उपमा कालिदासस्य'- उक्तिरियम् आलोच्यताम्।
'उपमा कालिदासस्य'- उक्तिरि आलोचना करो।
- (d) टीका लेख्या :
টীকা লেখো :
- (i) कुमारसम्भवम्
কুমারসম্ভবম্
- (ii) भट्टिकाव्यम्
ভট্টিকাব্যম্

B.A. 1st Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-II

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.*

1. अधस्तनेषु संक्षिप्तप्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिमाप्सित्य समाधेयाः। प्रतिविभागतः प्रश्नपञ्चकस्य उत्तरं प्रदेयम्।
2×10=20

निम्नलिखित संक्षिप्तप्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও। প্রতি বিভাগ থেকে পাঁচটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।)

‘क’ विभागः

‘क’ विभाग

- (a) ‘वेद’ शब्दस्य कोऽर्थः?
‘वेद’ शब्दের অর্থ কী?
- (b) सामवेदस्य कियत्यः शाखाः अधुना उपलभ्यन्ते? तासां नामानि लिखत।
বর্তমানে সামবেদের কয়টি শাখা পাওয়া যায় ও কী কী?
- (c) प्रमुखानाम् उपनिषदां नामानि लिखन्ताम्।
মুখ্য উপনিষদগুলির নাম লেখো।
- (d) रामायणस्य चतस्रः टीकाः उल्लिखन्ताम्।
রামায়ণের চারটি টীকা উল্লেখ করো।
- (e) का नाम शतसाहस्रीसंहिता? तस्य श्लोकसंख्याः कति?
শতসাহস্রী সংহিতা কী? তার শ্লোকসংখ্যা কত?
- (f) हरिवंशे कति पर्वाणि सन्ति? तानि कानि?
হরিবংশে কয়টি পর্ব আছে ও কী কী?
- (g) महाभारतस्य आद्यन्तपर्वद्वयस्य नाम किम्?
মহাভারতের প্রথম ও শেষ পর্বের নাম কি?

‘ख’ विभागः

‘ख’ विभाग

- (h) पुराणलक्षणं किम्?
पुराणेर लक्षण की?
- (i) आप्रमचतुष्टयस्य नामानि लिख्यन्ताम्।
चतुराशमेर नाम लेखो।
- (j) पुराणसाहित्यस्य उत्सः कः?
पुराणसाहित्येर उत्स की?
- (k) शब्दशास्त्रानुसारेण सूत्रलक्षणं किम्?
शब्दशास्त्रानुसारे सूत्रेर लक्षण की?
- (l) ‘त्रिमुनिव्याकरणम्’- अत्र त्रिमुनिपदेन किं बोध्यते?
‘त्रिमुनिव्याकरणम्’- एताने त्रिमुनिपदेर द्वारा काने बोवानो हरेछे?
- (m) नास्तिकदर्शनत्रयस्य नाम लिख्यताम्।
तिनटि नास्तिक दर्शनेर नाम लेखो।
- (n) वैशेषिकदर्शनानुसारं प्रमाणं कतिविधम्? कानि च तानि?
वैशेषिकदर्शन अनुसारे प्रमाण कत प्रकार ओ की की?

2. अधस्तनेषु प्रश्नेषु यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानां उत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नेषु कस्यचिद् द्वितयस्य संस्कृतभाषया उत्तरं प्रदेयम्।
5×4=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর করতে হবে। তন্মধ্যে দুটি প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় উত্তর দিতে হবে।

- (a) अधोनिर्दिष्टेषु एकस्य टीका विधेया।
नीचेर ये कोनो एकटिर टीका लेखो।
(i) शतपथब्राह्मणम्।
(ii) आरण्यकम्।
(iii) आश्वलायनः।
- (b) रामायणमहाभारतयोः पौर्वापर्यं आलोच्यताम्।
रामायण ओ महाभारतेर पौरवापर्य आलोचना करो।
- (c) महापुराणानां संख्यानिर्देशपूर्वकं तेषु एकस्य आलोचना विधेया।
महापुराण समूहेर संख्या निर्देशपूर्वक ताने मध्ये ये कोनो एकटिर बिषये आलोचना करो।
- (d) चार्वाकमतानुसारं किं नाम प्रमाणम्? संक्षेपेण आलोच्यताम्।
चार्वाक मतानुसारे प्रमाण की? संक्षेपे आलोचना करो।
- (e) कातन्त्रव्याकरणस्य संक्षिप्तपरिचयः प्रदेयः?
कातन्त्रव्याकरणेर संक्षिप्त परिचय दाओ।

- (f) बौद्धदर्शनस्य आर्यसत्यचतुष्टयं संक्षेपेण आलोच्यताम्।
बौद्धदर्शनस्य आर्यसत्यचतुष्टय विषये संक्षेपे आलोचना करो।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु कस्यचित् द्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्।

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

- (a) वेदाङ्गं कतिविधम्? कानि च तानि? तस्य प्रकारभेदाः आलोच्यन्ताम्।
वेदाङ्ग कय प्रकार ओ की की ? एर प्रकारभेदगुलि आलोचना करो।
- (b) आस्तिकदर्शनस्य प्रकारभेदानुल्लिख्य मीमांसादर्शनस्य आलोचना विधेया।
आस्तिक दर्शनस्य प्रकारभेद उल्लेख करे मीमांसादर्शन सम्पर्के आलोचना करो।
- (c) संस्कृतसाहित्ये रामायणस्य प्रभावः आलोच्यताम्।
संस्कृतसाहित्ये रामायणस्य प्रभाव आलोचना करो।
- (d) टीका लिख्यताम् :
टीका लेखो :
(i) भगवद्गीता
(ii) कालिकापुराणम्

B.A. SEM-1 HONOURS (CBCS) EXAMINATION, 2020

Subject : Sanskrit (Honours)

Paper : CC-1

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु षट् समाधेयाः। तेषु उत्तरद्वयम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया समाधेयम्।
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছটি প্রশ্নের উত্তর দাও। দুটির উত্তর অবশ্যই সংস্কৃতভাষায় লিখতে হবে।)

5×6=30

- a. বঙ্গভাষয়া অনুবাদঃ কার্যঃ —
(বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর)—
রক্ষোবধাস্তো ন চ মে প্রয়াসো
ব্যর্থঃ স বৈরপ্রতিমোচনায়।
অমর্ষণঃ শোণিতকাঙ্ক্ষয়া কিং
পদা স্পৃশস্তং দশতি দ্বিজিহুঃ ॥
- b. বঙ্গভাষয়া অনুবাদঃ কার্যঃ —
(বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর)
স কিংসখা সাধু ন শাস্তি যোহধিপং
হিতান্ন যঃ সংশৃণুতে স কিংপ্রভুঃ।
সদানুকুলেষু হি কুর্বতে রতিং
নৃপেষমাতেষু চ সর্বসম্পদঃ ॥
- c. সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যা কার্যঃ—
(প্রসঙ্গসহ ব্যাখ্যা কর)
উপস্থিতাং পূর্বমপাস্য লক্ষ্মীং
বনং ময়া সার্থমসি প্রপন্নঃ।
তদাস্পদং প্রাপ্য তয়াতিরোষাৎ
সোঢ়াস্মি ন তদ্ভবনে বসন্তী ॥
- d. সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যা কার্যঃ—
(প্রসঙ্গসহ ব্যাখ্যা কর)
প্রলীনভূপালমপি স্থিরায়তি
প্রশাসদাবারিধি মণ্ডলং ভুবঃ।

स चिञ्चयत्येव भिञ्चयत्येव
रहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता।।

- e. भावसम्प्रसारणं कुरुत—
(भावसम्प्रसारणं कर-)
“आञ्जा गुणानां ह्यविचारणीया”।
- f. भावसम्प्रसारणं करणीयम्
(भावसम्प्रसारणं कर।)
“वरं विरोधोऽपि समं महात्तुभिः”।
- g. टीका लेखनीया-श्रीहर्षः।
(टीका लेख-श्रीहर्ष।)
- h. शिशुपालवधमिति महाकाव्यस्य विषयवस्तु संक्षेपत आलोचनीयम्
(शिशुपालवध महाकाव्येयं विषयवस्तु संक्षेपे आलोचना कर।)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु त्रयाणां प्रश्नाणाम् उत्तरं प्रदीयताम् (निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
10×3=30

- a. विसर्जनकाले सीतालम्बणसंबादम् अवलम्ब्य सीतायाः चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
(विसर्जनकाले सीता ओ लम्बणेर कथोपकथन अवलम्बने सीतार चरित्रचित्रण कर।)
- b. तव पाठ्यविषयमाश्रित्य नृपतिरूपेण पतिरूपेण च रामचन्द्रस्य चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
(तोमार पाठ्य विषय अवलम्बन करे नृपतिरूपे ओ पतिरूपे रामचन्द्रेर चरित्र चित्रण कर।)
- c. किरातार्जुनीयमिति महाकाव्यस्य प्रथमसर्गम् अवलम्ब्य-‘भारवेरथर्गौरवम्’ इत्युक्तेः सार्थकतां प्रतिपादयताम्।
(किरातार्जुनीय महाकाव्येयं प्रथमसर्ग अवलम्बने ‘भारवेरथर्गौरवम्’ एइ उक्तिर सार्थकता प्रतिपादन कर।)
- d. कालिदासस्य काव्येषु प्रकृतेः यं सौन्दर्यं चित्रितं तद् वर्णयताम्।
(कालिदासेर काव्यसमूहे प्रकृतिर ये सौन्दर्य चित्रित हयेछे ता वर्णना कर।)
- e. अश्वघोषस्य जीवनं काव्यकृतिश्च आलोचयताम्।
(अश्वघोषेर जीवन ओ काव्यकृति आलोचना कर।)

B.A. SEM-I (HONOURS) EXAMINATION, 2020 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-II

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধঃপ্রদত্তেযু প্রশ্নেষু যথারূচি ষট্ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। তেষু প্রশ্নদ্বয়মবশ্যং সুরগিরা লেখনীয়ম্। 5×6=30
(নিম্নে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে যে কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লেখো।)
- a. অধস্তনস্য কস্যচিদেকস্য টীকা রচনীয়া—
(নীচের যেকোন একটির টীকা লেখো।)
ত্রয়ী, উপনিষৎ, গৃহ্যসূত্রম্।
- b. যুক্তিপ্রমাণাভ্যাং রামায়ণস্য প্রক্ষিপ্তাংশঃ বিচারণীয়ঃ।
(যুক্তি ও প্রমাণ উপস্থাপন পূর্বক রামায়ণের প্রক্ষিপ্তাংশের যথাসম্ভব আলোচনা করো।)
- c. যথাযথযুক্তিতথ্যাদিকম্ অবলম্ব্য মহাভারতস্য রচনাকালঃ নির্ণেতব্যঃ।
(যুক্তি ও তথ্যের ভিত্তিতে মহাভারতের রচনাকাল নির্ণয় করো।)
- d. ভাগবতপুরাণমধিকৃত্য একঃ প্রবন্ধঃ রচনীয়াঃ।
(ভাগবতপুরাণ অবলম্বনে সবিস্তারে একটি প্রবন্ধ রচনা করো।)
- e. পতঞ্জলেঃ, তদ্বিরচিতমহাভাষ্যস্য চ সংক্ষেপেণ পরিচয়ঃ দেয়ঃ।
(পতঞ্জলি ও তাঁর বিরচিত মহাভাষ্যের সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।)
- f. জৈনদর্শনে কস্তাবৎ স্যাৎসাদঃ?
(জৈনদর্শনে স্যাৎসাদ কী?)
- g. যোগদর্শনানুসারেণ অষ্টাঙ্গযোগস্য স্বরূপম্ উপস্থাপনীয়ম্।
(যোগদর্শন অবলম্বনে অষ্টাঙ্গ যোগের স্বরূপ উপস্থাপন করো।)
- h. অদ্বৈতবেদান্তে খ্যাপিতম্ অজ্ঞানতত্ত্বস্বরূপং বিশদয়ত।
(অদ্বৈতবেদান্তে আলোচিত অজ্ঞানতত্ত্বের স্বরূপ বর্ণনা করো।)

2. যথেষ্ট প্রশ্নত্রয়ং সমাধেয়ম্—

যে কোন তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

10×3=30

- a. ঋগ্বেদে আন্নাতানি দার্শনিকসূক্তানি সংক্ষেপেণ আলোচনীয়ানি।
(ঋগ্বেদে আন্নাত দার্শনিকসূক্তগুলি সংক্ষেপে আলোচনা করো।)
 - b. বেদস্য কালনির্ণয়প্রসঙ্গে প্রমাণমুল্লিখ্য একঃ প্রবন্ধঃ লেখনীয়ঃ।
(বেদের কাল নির্ণয় প্রসঙ্গে প্রমাণ পূর্বক একটি প্রবন্ধ রচনা করো।)
 - c. সাহিত্যজগতি মহাভারতস্য প্রভাব আলোচনীয়ঃ।
(সাহিত্যের জগতে মহাভারতের প্রভাব আলোচনা করো।)
 - d. টীকা রচনীয়া—‘পুরাণং পঞ্চলক্ষণম্’, ‘নাগেশভট্টঃ’।
(টীকা রচনা করো)–‘পুরাণং পঞ্চলক্ষণম্’ এবং ‘নাগেশভট্টঃ’।)
 - e. নাস্তিকদর্শনস্য ভেদান্ উল্লিখ্য সংক্ষেপেণ বৌদ্ধদর্শনস্য পরিচয়ঃ প্রদেয়ঃ।
(নাস্তিক দর্শনের প্রকারভেদ উল্লেখ পূর্বক সংক্ষেপে বৌদ্ধ দর্শনের পরিচয় দাও।)
-

B.A. (S-I)/H/2021/CC-1(CBCS) (Sanskrit)

B. A. 1st Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-1

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु षट् प्रश्नाः समाधेयाः। तेषु उत्तरद्वयम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया समाधेयम्।

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছটি প্রশ্নের উত্তর দাও। দুটির উত্তর অবশ্যই সংস্কৃতভাষায় লিখতে হবে।)

5×6=30

a) বঙ্গভাষয়া অনূদ্যতাম্—

(বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর—)

জুগ্‌হ তস্যঃ পথি লক্ষ্মণো যৎ

সব্যেতরেণ স্ফুরতা তদক্ষা।

আখ্যাতমসৈ গুরুভাবিদুঃখম্

অত্যস্তলুপ্তপ্রিয়দর্শনেন।।

b) বঙ্গভাষয়া অনূদ্যতাম্—

(বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর—)

নিসর্গদুর্বোধমবোধবিক্রবাঃ

ক ভূপতীনাং চরিতং ক জন্তবঃ?

তবানুভাবোহয়মবেদি যন্ময়া

নিগূঢ়তত্ত্বং নয়বর্জ বিদিশাম্।।

c) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या—

(প্রসঙ্গসহ ব্যাখ্যা কর—)

অবৈমি চৈনামনযেতি কিন্তু

লোকাপবাদো বলবান্ মতো মে।

ছায়া হি ভূমেঃ শশিনো মলহেন

আরোপিতা শুদ্ধিমতঃ প্রজাভিঃ।।

d) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या—

(প্রসঙ্গসহ ব্যাখ্যা কর—)

অনেকরাজন্যরথাশ্বসংকুলং

तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम्।
नयत्यायुग्माच्छदगङ्गिरार्द्रतां
भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः॥

- e) भावसम्प्रसारणं करणीयम्—
(भावसम्प्रसारणं कर—)
“यशोधनानां हि यशो गरीयः”।
- f) भावसम्प्रसारणं करणीयम्—
(भावसम्प्रसारणं कर—)
“हितं मनोहारी च दुर्लभं वचः”।
- g) टीका लेखनीया—माघः।
(टीका लेख—माघ।)
- h) नैषधचरितमिति महाकाव्यस्य विषयवस्तु आलोच्यताम्।
(नैषधचरित महाकाव्ये विषयवस्तु आलोचना कर।)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु त्रयाणां प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदीयताम्।
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

10×3=30

- a) रघुवंशमिति महाकाव्यस्य चतुर्दशसर्गम् अवलम्ब्य ‘उपमा कालिदासस्य’ इत्युक्तेः सार्थकतां प्रतिपादयताम्।
(रघुवंश महाकाव्ये चतुर्दशसर्ग अवलम्बने ‘उपमा कालिदासस्य’ এই উক্তির সার্থকতা প্রতিপাদন কর।)
- b) सीतापरित्यागविषये रामचन्द्रस्य सिद्धान्तः युक्तिसङ्गतः न वेति—रघुवंशस्य चतुर्दशसर्गम् अनुसृत्य युक्तिपूर्वकम् आलोच्यताम्।
(सीतापरित्यागविषये रामचन्द्रे सिद्धान्त कथानि युक्तियुक्त—रघुवंशे चतुर्दश सर्ग अनुसरणे युक्तिपूर्वक आलोचना कर।)
- c) बनेचरवचनम् आधारीकृत्य दुर्योधनस्य राज्यशासनवृत्तान्तं वर्णयताम्।
(बनेचरे वक्तव्य अनुसरणे दुर्योधने राज्यशासन पद्धति वर्णना कर।)
- d) कालिदासस्य महाकाव्येषु प्रकृतेः यं सौन्दर्यं चित्रितं तद् वर्णयताम्।
(कालिदासे महाकाव्यसमूहे प्रकृतिर ये सौन्दर्य चित्रित ह्येते ता वर्णना कर।)
- e) टीका लेखनीया—भट्टिः।
(टीका लेख—भट्टि।)

B.A. (S-I)/H/2021/CC-II(CBCS) (Sanskrit)

B. A. 1st Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-II

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধঃ প্রদত্তেষু প্রশ্নেযু যথারূচি ষট্ প্রশ্নান্ সমাধত্ত। তেষু প্রশ্নদ্বয়মবশ্যং সুরগিরা সমাধেয়ম্।
- নিম্নে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে যেকোন দু'টি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লেখো। 5×6=30
- a) অধস্তাৎ কস্যচিদেকস্য টীকা রচনীয়া।
নীচের যেকোন একটির টীকা লেখো।
আরণ্যকম্, শিক্ষা, শতপথব্রাহ্মণম্
- b) যুক্তিপ্রমাণাভ্যাং রামায়ণস্য রচনাকালঃ নির্ণেতব্যঃ।
যুক্তি ও প্রমাণের দ্বারা রামায়ণের রচনাকাল নির্ণয় করো।
- c) সাংখ্যদর্শনপ্রসঙ্গে সবিস্তরম্ একঃ প্রবন্ধঃ প্রপঞ্চনীয়াঃ।
সাংখ্যদর্শন প্রসঙ্গে সবিস্তারে একটি প্রবন্ধ রচনা করো।
- d) পাণিনিমুনেঃ, তদ্বিরচিতাষ্টাধ্যায়্যাঃ চ সংক্ষেপেণ পরিচয়ঃ কার্যঃ।
পাণিনি মুনি ও তাঁর বিরচিত অষ্টাধ্যায়ীর সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।
- e) বৌদ্ধদর্শনে প্রতিপাদিতস্য আর্যসত্যচতুষ্টয়স্য স্বরূপম্ খ্যাপনীয়াম্।
বৌদ্ধদর্শনে প্রতিপাদিত আর্যসত্যচতুষ্টয়ের স্বরূপ আলোচনা করো।
- f) অদ্বৈতবেদান্তানুসারেণ ব্রহ্মস্বরূপম্ উপস্থাপ্যতাম্।
অদ্বৈতবেদান্তানুসারে ব্রহ্মস্বরূপ উপস্থাপন করো।
- g) মৎস্যপুরাণস্য সংক্ষেপেণ পরিচয়ঃ প্রদীয়তাম্।
সংক্ষেপে মৎস্যপুরাণের পরিচয় দাও।
- h) ন্যায়দর্শনান্তর্গতস্য অনুমানপ্রমাণস্য স্বরূপম্ আলোচনীয়াম্।
ন্যায়দর্শনের অন্তর্গত অনুমান প্রমাণের স্বরূপ আলোচনা করো।

2. अनुप्रियं प्रश्नद्वयं अनुवर्णीत।

निम्ने प्रदत्त प्रश्नগুলির মধ্যে নিজের পছন্দ মতো যেকোন তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

10×3=30

a) ঋগ্বেদান্তর্গতানি সংবাদসূক্তানি সবিস্তরম্ আলোচনীয়ানি।

ঋগ্বেদের অন্তর্গত সংবাদসূক্তগুলি সম্পর্কে বিস্তারিত আলোচনা করো।

b) रामायणमहाभारतयोः पौर्वापर्यम् विचार्यताम्।

রামায়ণ ও মহাভারতের পৌর্বাপর্য বিচার করো।

c) टीका रचनीया—‘हरिवंशम्’, ‘कात्यायनः वार्तिकश्च’ च।

টীকা লেখো—‘হরিবংশ’ এবং ‘কাত্যায়ন ও বার্তিক’।

d) साहित्यजगति रामायणस्य प्रभावः आलोचनीयः।

সাহিত্যের জগতে রামায়ণের প্রভাব আলোচনা করো।

e) आस्तिकदर्शनस्य प्रकारान् उल्लिख्य संक्षेपेण वेदान्तदर्शनस्य परिचयः उपस्थापनीयः।

আস্তিক দর্শনের প্রকারভেদ উল্লেখ পূর্বক সংক্ষেপে বেদান্তদর্শনের পরিচয় দাও।
